एम0एफ0ए0–प्रथम सेमेस्टर (चित्रकला)

सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक प्रश्नपत्रों का अंक विवरण

	विषय–सैद्धान्तिक विषय–	अंक
1.	प्रथम प्रश्नपत्र–सौन्दर्य शास्त्र एवं कला के सिद्धान्त	100
2.	द्वितीय प्रश्नपत्र –चित्रकला का इतिहास (20 वीं सदी यूरोप)	100
	प्रायोगिक विषय–	
1.	कम्पोजिशन / म्यूरल / पोट्रेट	100
2.	ड्राइंग / स्केच	100
3.	डिस्प्ले	75
4.	पोर्टफोलियो	25
		500

डॉ0 सुनील कुमार विश्वकर्मा
ललित कला विभाग

Fine Art -M.F.A Syllabus-2018

एम0एफ0ए0–प्रथम सेमेस्टर

(चित्रकला / व्यवहारिक कला एवं मूर्तिकला)

प्रथम प्रश्न पत्र–सौन्दर्य शास्त्र एवं कला के सिद्धान्त

समय–3 घण्टा
पूर्णांक–100

यूनिट–I

- सौन्दर्य शास्त्र एवं समीक्षाशास्त्र के अन्तः सम्बन्ध।

यूनिट–II

- भारतीय सौन्दर्यशास्त्र की अवधारणा।

यूनिट–III

- कला का समाज पर प्रभाव।

यूनिट–IV

- कला का राष्ट्रीय चरित्र।

नोट–

डिस्प्ले –सेमेस्टर के दौरान अपने किये कार्यो का प्रदर्शन एवं कम से कम 20 पेज का अपने कार्यो का परिचय।

चयनित विषय–सेमेस्टर के दौरान विद्यार्थी अपने **व्यक्तिक** रूपकार अभिप्राय अवधारणा के साथ प्राथमिक रेखाकंन, लेआउट और निसर्गचित्र का विकाश करेगें। (05 कार्य)।

म्यूरल– अवधारणात्मक एवं तकनीक द्वारा परम्पारगत और आधुनिक भित्ति चित्रों में प्रयोग (05 कार्य)।

व्यक्तिचित्र– व्यक्ति चित्रों के प्रकार, विभिन्न माध्यमों में प्रयोग (05 कार्य)।

सौन्दर्य ग्रन्थ–

- Heinrich Zimmen-Myths & Symbols in Indian Art & Civilization.
- K.C. Pandey- Indian Aesthetics, Vol-I.
- A.K. Coomaraswany-Transformation of Nature in Art.
- Pramod Chandra- On the study of Indian Art.
- सी0 शिवमूर्ति–विष्णुधर्मोत्तरपुराण का चित्रसूत्र।
- A.K. Coomaraswany-Selected Paper,Vol-I & II, (ed) R. Lipscy.
- भानु अग्रवाल–भारतीय चित्रकला के मूल श्रोत (हिन्दी)।
- वासुदेव शरण अग्रवाल–भारतीय कला (हिन्दी)।
- सीताराम चतुर्वेदी–अभिज्ञान शाकुन्तलमए (हिन्दी)।
- भरतमुनि– नाट्यशास्त्र (हिन्दी)।
- क्रान्तिचन्द्र पाण्डेय–स्वतंत्र कला शास्त्र (भाग–एक,दो, हिन्दी)।
- कुमार विमल–सौन्दर्य शास्त्र के तत्व (हिन्दी)।
- सुरेन्द्रनाथ दास गुप्ता (अनु.डॉ0 आनन्द प्रकाश दीक्षित)– सौन्दर्य तत्व (हिन्दी)।
- प्रियवाला शाह–विष्णुधर्मोत्तर (हिन्दी)।
- अनु.पारूल देव मुखर्जी–विष्णुधर्मोत्तर पुराणम् चित्रसूत्रम, (हिन्दी)।

एम0एफ0ए0–प्रथम सेमेस्टर–चित्रकला

द्वितीय प्रश्नपत्र–कला का इतिहास (20 वीं सदी यूरोप)

समय–3 घण्टा
पूर्णांक–100

यूनिट–I

- आधुनिक पाश्चात्य चित्रकला की पूर्व पीठिका ।
- नव शास्त्रीयतावाद, स्वच्छन्दतावाद, यथार्थवाद, प्रभाववाद।

यूनिट–II

- उत्तर प्रभाववाद,
- फाववाद।

यूनिट–III

- घनवाद।
- अभिव्यंजनावाद।

यूनिट–IV

- दादावाद।
- अतियथार्थवाद।
- भविष्यवाद।
- पॉप तथा ऑप आर्ट

नोट–

डिस्प्ले –सेमेस्टर के दौरान अपने किये कार्यो का प्रदर्शन एवं कम से कम 20 पेज का अपने कार्यो का परिचय।

चयनित विषय–सेमेस्टर के दौरान विद्यार्थी अपने **व्यक्तिक** रूपकार अभिप्राय अवधारणा के साथ प्राथमिक रेखाकंन, लेआउट और निसर्गचित्र का विकाश करेगें। (05 कार्य)।

म्यूरल– अवधारणात्मक एवं तकनीक द्वारा परम्पारगत और आधुनिक भित्ति चित्रों में प्रयोग (05 कार्य)।

व्यक्तिचित्र– व्यक्ति चित्रों के प्रकार, विभिन्न माध्यमों में प्रयोग (05 कार्य)।

सन्दर्भ ग्रन्थ–

- H.H. Arnason-History of Modern Art.
- Modern Brion-Modern Painting From Impressionism to Abstract Art.
- रवी साकलकर–आधुनिक चित्रकला का इतिहास।

डॉ0 सुनील कुमार विश्वकर्मा
ललित कला विभाग

एम0एफ0ए0–द्वितीय सेमेस्टर (चित्रकला)

सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक प्रश्नपत्रों का अंक विवरण

	विषय–सैद्धान्तिक विषय–	अंक
1.	प्रथम प्रश्नपत्र–सौन्दर्य शास्त्र एवं कला के सिद्धान्त	100
2.	द्वितीय प्रश्नपत्र –चित्रकला का इतिहास (भारतीय)	100
	प्रायोगिक विषय–	
1.	कम्पोजिशन / म्यूरल / पोट्रेट	100
2.	ड्राइंग / स्केच	100
3.	डिस्प्ले	75
4.	पोर्टफोलियो	25
		500

एम0एफ0ए0–द्वितीय सेमेस्टर

(चित्रकला / व्यवहारिक कला / मूर्तिकला)

प्रथम प्रश्न–पत्र–सौन्दर्य शास्त्र एवं कला के सिद्धान्त

समय–3 घण्टा
पूर्णांक–100

यूनिट –I

- कला की सामाजिक चेतना एवं यथार्थ व्यक्तित्व वर्ग, राष्ट्रीयता और परिवेशीय आधार ।

यूनिट –II

- कला का मनोवैज्ञानिक विचार।

यूनिट –III

- कलात्मक सृजन और मनोवैज्ञानिक पक्ष।

यूनिट –4

- कला का वास्तुजनिक विचार

सन्दर्भ ग्रन्थ–

- K.C. Pandey-western Aesthetics, Vol-II.
- P.K Agrawal- Indian Aesthetics.
- **पद्मा अग्रवाल–प्रतीक वाद** (हिन्दी)।
- **भानु अग्रवाल– भारतीय चित्रकला के मूलश्रोत**(हिन्दी)।
- **वासुदेव शरण अग्रवाल– भारतीय कला**(हिन्दी)।
- **कुमार विमल–कला विवेचन** (हिन्दी)।

एम0एफ0ए0–द्वितीय सेमेस्टर–चित्रकला

द्वितीय प्रश्न–कला का इतिहास (भारतीय)

समय–3 घण्टा
पूर्णांक–100

यूनिट–I

- भारतीय आधुनिक चित्रकला की पूर्व पीठिका–कम्पनी शैली, लोक एवं जनजातीय कला की प्रवृत्तियॉ, लोक संस्कृति के विभिन्न आयाम, समाजिक परिपेक्ष्य एवं कला।

यूनिट–II

- भारतीय आधुनिक कला का प्रारम्भ–राजा रविवर्मा, अमृता शेरगील

यूनिट–III

- भारतीय चित्रकला का पुनर्उत्थान ।
- अवनीन्द्रनाथ, गगनेन्द्रनाथ, नन्दलाल बोस, असित कुमार हलदार, क्षितीन्द्रनाथ मजूमदार, सुधीर खास्तगीर, जे0एम0 अहिवासी, ।

यूनिट–IV

- 20 वीं शताब्दी के आधुनिक कला परिदृश्य एवं विभिन्न कलाकार समूह–बाम्बे प्रोग्रेसिव कलाकार समूह, कलकत्ता समूह, दिल्ली शिल्पी चक्र, चोल मण्डल समूह दक्षिण भारत।

<u>प्रायोगिक</u>

नोट–

डिस्प्ले –सेमेस्टर के दौरान अपने किये कार्यो का प्रदर्शन एवं कम से कम 20 पेज का अपने कार्यो का परिचय।

चयनित विषय–सेमेस्टर के दौरान विद्यार्थी अपने **व्यक्तिक** रूपकार अभिप्राय अवधारणा के साथ प्राथमिक रेखाकंन, लेआउट और निसर्गचित्र का विकाश करेगें। (05 कार्य)।

म्यूरल– अवधारणात्मक एवं तकनीक द्वारा परम्पारगत और आधुनिक भित्ति चित्रों में प्रयोग (05 कार्य)।

व्यक्तिचित्र– व्यक्ति चित्रों के प्रकार, विभिन्न माध्यमों में प्रयोग (05 कार्य)।

डॉ0 सुनील कुमार विश्वकर्मा
ललित कला विभाग

एम0एफ0ए0–तृतीय सेमेस्टर (चित्रकला)

सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक प्रश्नपत्रों का अंक विवरण

	विषय–सैद्धान्तिक विषय–	अंक
1.	प्रथम प्रश्नपत्र–सौन्दर्य शास्त्र एवं कला के सिद्धान्त	100
2.	द्वितीय प्रश्नपत्र –चित्रकला का इतिहास (आधुनिक)	100
	प्रायोगिक विषय–	
1.	कम्पोजिशन / म्यूरल / पोट्रेट	100
2.	ड्राइंग / स्केच	100
3.	डिस्प्ले	75
4.	पोर्टफोलियो	25
		500

एम0एफ0ए0–तृतीय सेमेस्टर

(चित्रकला / व्यवहारिक कला / मूर्तिकला)

प्रथम प्रश्न–पत्र–सौन्दर्य शास्त्र एवं कला के सिद्धान्त

समय–3 घण्टा
पूर्णांक–100

यूनिट–I

- भारतीय कला की मूल प्रवृत्ति।

यूनिट–II

- भारतीय और पाश्चात्य सौन्दर्यशास्त्र के विचार।

यूनिट–III

- कला का वैश्वीकरण।

यूनिट–IV

- सृजनात्मकता सम्बन्धित कुछ विचार–
- **क–** भाव, **ख– कल्पना, ग**– प्रेरणा,**घ**– अंतश्चेतना, **ड.**–अनुकरण।

सन्दर्भ ग्रन्थ–

- Stella Kramrisch- Explring India`s Sacred Art.
- भानु अग्रवाल– भारतीय चित्रकला के मूलश्रोत (हिन्दी)।
- वासुदेव शरण अग्रवाल– भारतीय कला (हिन्दी)।
- ब्रजभूषण श्रीवास्तव– प्राचीन भारतीय प्रतिमा विज्ञान एवम् मूर्तिकला (हिन्दी)।
- राजेन्द्र वाजपेय–सौन्दर्य (हिन्दी)।
- प्रभाशंकर ओ–सम्पूर्ण– शिल्प संहिता (हिन्दी)।

एम0एफ0ए0–तृतीय सेमेस्टर–चित्रकला

द्वितीय प्रश्न–कला का इतिहास (मध्यकालीन यूरोपीय चित्रकला)

समय–3 घण्टा
पूर्णांक–100

यूनिट–I

- गोथिक के पूर्व चित्रकला का इतिहास।
- गोथिक चित्रकला।

यूनिट–II

- आरम्भिक पुनर्जागरण।
- हाई रेनेसॉ (उत्तर पुनर्जागरण कला)।

यूनिट–III

- बरोक कला।
- रोकोको कला।

यूनिट–IV

- शास्त्रीयतावाद।
- नवशास्त्रीयतावाद।

प्रायोगिक

नोट–

डिस्प्ले –सेमेस्टर के दौरान अपने किये कार्यो का प्रदर्शन एवं कम से कम 20 पेज का अपने कार्यो का परिचय।

चयनित विषय–सेमेस्टर के दौरान विद्यार्थी अपने **व्यक्तिक** रूपकार अभिप्राय अवधारणा के साथ प्राथमिक रेखाकंन, लेआउट और निसर्गचित्र का विकाश करेगें। (05 कार्य)।

म्यूरल– अवधारणात्मक एवं तकनीक द्वारा परम्पारगत और आधुनिक भित्ति चित्रों में प्रयोग (05 कार्य)।

व्यक्तिचित्र– व्यक्ति चित्रों के प्रकार, विभिन्न माध्यमों में प्रयोग (05 कार्य)।

डॉ0 सुनील कुमार विश्वकर्मा
ललित कला विभाग

Fine Art –M.F.A,Painting Syllabus-2018

एम0एफ0ए0– चतुर्थ सेमेस्टर (चित्रकला)

सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक प्रश्नपत्रों का अंक विवरण

	विषय–सैद्धान्तिक विषय–	अंक
1.	प्रथम प्रश्नपत्र–सौन्दर्य शास्त्र एवं कला के सिद्धान्त	100
2.	द्वितीय प्रश्नपत्र –चित्रकला का इतिहास (समकालीन भारतीय कला)	100
	प्रायोगिक विषय–	
1.	कम्पोजिशन / म्यूरल / पोट्रेट	100
2.	ड्राइंग / स्केच	100
3.	डिस्प्ले	75
4.	पोर्टफोलियो	25
		500

एम0एफ0ए0–चतुर्थ सेमेस्टर

(चित्रकला / व्यवहारिक कला / मूर्तिकला)

प्रथम प्रश्न–पत्र–सौन्दर्य शास्त्र एवं कला के सिद्धान्त

समय–3 घण्टा
पूर्णांक–100

यूनिट–I

- ललित कलाओं का अन्तः सम्बन्ध।

यूनिट–II

- कला में प्रतीक का महत्व।

यूनिट–III

- लोक कला और जनजातीय कला का महत्व।

यूनिट–IV

- कला और पर्यावरण।

सन्दर्भ ग्रन्थ–

- आत्मा का ताप– सैय्यद हैदर रजा।
- Close to event- विकास भटट्ाचार्या।
- K.G. Subramanyam & The Living Tradition.
- K.G. Subramanyam & Moving Focus.
- B.B. Mukherjee & Chitrakar the Artist, (tr.K.G. Subramanyam).
- Special J.I.S.OA Volume on A.N.

डॉ0 सुनील कुमार विश्वकर्मा
ललित कला विभाग

T

एम0एफ0ए0–चतुर्थ सेमेस्टर–चित्रकला

द्वितीय प्रश्न–कला का इतिहास (समकालीन भारतीय कला)

समय–3 घण्टा
पूर्णांक–100

यूनिट–I

- भारतीय समकालीन चित्रकला के प्रतिनिधि कलाकार–शैलोज मुखर्जी, एन0एस0 बेन्द्रे, जी0आर0सन्तोष, गणेश पाईन, विमलदास गुप्ता।

यूनिट–II

- जे स्वामीनाथन, मंजित बावा, रामकुमार, विकास भट्टाचार्या, लक्ष्मणपै, ए रामचन्द्रन, गुलाम शेख, के0जी0 सुब्रमण्यम,

यूनिट–III

- अंजलि इलामेनन्, अपर्णाकौर, बी0 प्रभा, मनुपारिख, अनुपम सूद, परमजीत सिंह।

यूनिट–IV

- सोमनाथ होर, दीपक बनर्जी, दिलीपदास गुप्ता, जोगेन चौधरी, बिवान सुन्दरम, रामचन्द्र शुक्ल एवं अन्य।

प्रायोगिक

नोट–

डिस्प्ले –सेमेस्टर के दौरान अपने किये कार्यो का प्रदर्शन एवं कम से कम 20 पेज का अपने कार्यो का परिचय।

चयनित विषय–सेमेस्टर के दौरान विद्यार्थी अपने **व्यक्तिक** रूपकार अभिप्राय अवधारणा के साथ प्राथमिक रेखाकंन, लेआउट और निसर्गचित्र का विकाश करेगें। (05 कार्य)।

म्यूरल– अवधारणात्मक एवं तकनीक द्वारा परम्पारगत और आधुनिक भित्ति चित्रों में प्रयोग (05 कार्य)।

व्यक्तिचित्र– व्यक्ति चित्रों के प्रकार, विभिन्न माध्यमों में प्रयोग (05 कार्य)।

डॉ0 सुनील कुमार विश्वकर्मा
ललित कला विभाग

एम0एफ0ए0–प्रथम सेमेस्टर

(व्यवहारिक कला)

सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक प्रश्नपत्रों का अंक विवरण

	विषय–सैद्धान्तिक विषय–	अंक
1.	प्रथम प्रश्नपत्र–सौन्दर्य शास्त्र एवं कला के सिद्धान्त	100
2.	द्वितीय प्रश्नपत्र –विजुवल कम्युनिकेशन	100
	प्रायोगिक विषय–	
1.	ड्राइंग / स्केच	100
2.	ग्राफिक कम्युनिकेशन / इलेस्ट्रेशन	100
3.	डिस्प्ले	75
4.	पोर्टफोलियो	25
		500

डॉ0 सुनील कुमार विश्वकर्मा
ललित कला विभाग

एम0एफ0ए0–प्रथम सेमेस्टर

व्यावहारिक कला

द्वितीय प्रश्न–पत्र–विजुअल कम्युनिकेशन सिद्धान्त

समय–3 घण्टा
पूर्णांक–100

यूनिट–I

1. **विज्ञापन कला**–उत्पत्ति, अर्थ,परिभाषा, आवश्यकता, उपयोगिता।
2. **फोर पी**– अ–जनसम्पर्क (Public Relation)।

   ब–प्रोपोगण्डा (एक पक्षीय संप्रेषण), स–प्रचार (Publicity, **द**–योजना (Planning)।
3. **ले आउट– अ**–ले आउट के तत्व। **ब–** विज्ञापन और प्रचार।

यूनिट–II

1. विज्ञापन के माध्यम या साधन (Means of Advertisement or Advertising Media)– आउट डोर विज्ञापन, इनडोर विज्ञापन।
2. विज्ञापन के साधनों का वर्गीकरण।
3. **विज्ञापन के भेद**–अनुनय, ज्ञानप्रद संस्थानीय, वित्तीय, वर्गीकृत, फुटकर, औद्योगिक, राजकीय, सहकारी, व्यापारिक विज्ञापन।

यूनिट–III

1. **ब्राण्ड–** ब्राण्ड नेम वस्तु एवं ब्राण्ड की छवि।
2. उपभोक्ताओं पर ब्राण्ड का प्रभाव (भारतीय एवं विदेशी)।
3. खरीद पर प्रभाव, ब्राण्ड एम्बेसडर।

यूनिट–IV

1. विज्ञापन सम्प्रेषण और सामाजिक मनोविज्ञान।
2. समाज का आर्थिक वर्ग विभाजन।
3. सामाजिक समूह, कम्युनिटी रोल ऑफ फेमिली।
4. विज्ञापन का मनोवैज्ञानिक प्रयोग।

डॉ0 सुनील कुमार विश्वकर्मा
ललित कला विभाग

एम0एफ0ए0–द्वितीय सेमेस्टर

(व्यवहारिक कला)

सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक प्रश्नपत्रों का अंक विवरण

	विषय–सैद्धान्तिक विषय–	अंक
1.	प्रथम प्रश्नपत्र–सौन्दर्य शास्त्र एवं कला के सिद्धान्त	100
2.	द्वितीय प्रश्नपत्र –विज्ञापन एवं मार्केटिंग	100
	प्रायोगिक विषय–	
1.	ड्राइंग / स्केच	100
2.	ग्राफिक कम्युनिकेशन / इलेस्ट्रेशन	100
3.	डिस्प्ले	75
4.	पोर्टफोलियो	25
		500

डॉ0 सुनील कुमार विश्वकर्मा
ललित कला विभाग

एम0एफ0ए0–द्वितीय सेमेस्टर
(व्यवहारिक कला)
द्वितीय प्रश्न–पत्र–विज्ञापन एवं मार्केटिंग

समय–3 घण्टा
पूर्णांक–100

यूनिट–**I**

- **विज्ञापन एवं प्रबन्धनः–** विज्ञापन माध्यम, विज्ञापनों हेतु माध्यमों का चयन,प्रेस विज्ञापन, मनोरंजक विज्ञापन, वाह्य विज्ञापन, डाक विज्ञापन, प्रत्यक्ष विज्ञापन, विक्रय केन्द्र विज्ञापन, विविध विज्ञापन, आकाशवाणी और दूरदर्शन विज्ञापन, इण्टरनेट विज्ञापन, एस0एम0एस0 विज्ञापन।
- **जनमाध्यम और विज्ञापनः–** विज्ञापन व्यवसाय, पत्रकारिता विज्ञापन और प्रचार, विज्ञापन से लाभ।

यूनिट–**II**

- विज्ञापन का उद्धेश्य, विज्ञापन का दायित्व, विज्ञापन के गुण, विज्ञापन की सफलता, विज्ञापन का दोष गुण, एस.एल0आर0, एस0एल0डी0, एस0एल0डी0टी0 कैमरा।
- विज्ञापन में फोटोग्राफी का महत्व, विज्ञापन और भूमण्डलीकरण।

यूनिट–**III**

- **विक्रय प्रवर्तनः–** विज्ञापन एवं विक्री प्रवर्तन, जनसंख्या का घनत्व, विक्रय क्षेत्र की लागत, वितरण पद्यति।
- बिक्रेता की योग्यता, उत्पादन का स्वभाव, उत्पादन का मूल्य, प्रथा एवं परम्पराएँ।

यूनिट–**IV**

- **विपणन योजना**– उत्पादों की संख्या विक्रय नीतियॉ, उपभोक्ता या बाजार सम्बन्धी तत्व।

डॉ0 सुनील कुमार विश्वकर्मा
ललित कला विभाग

एम0एफ0ए0–तृतीय सेमेस्टर

(व्यवहारिक कला)

सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक प्रश्नपत्रों का अंक विवरण

	विषय–सैद्धान्तिक विषय–	अंक
1.	प्रथम प्रश्नपत्र–सौन्दर्य शास्त्र एवं कला के सिद्धान्त	100
2.	द्वितीय प्रश्नपत्र –विज्ञापन कला एवं विपणन अनुसंधान	100
	प्रायोगिक विषय–	
1.	ड्राइंग / स्केच	100
2.	ग्राफिक कम्युनिकेशन / इलेस्ट्रेशन	100
3.	डिस्प्ले	75
4.	पोर्टफोलियो	25
		500

डॉ0 सुनील कुमार विश्वकर्मा
ललित कला विभाग

एम0एफ0ए0–तृतीय सेमेस्टर

(व्यवहारिक कला)

द्वितीय प्रश्न–पत्र– विज्ञापन कला एवं विपणन अनुसंधान

यूनिट–I

- **विज्ञापन डिजाइन एवं कलाः–** विज्ञापन ले आउट की अभिकल्पना, कला निर्देशक एवं कापी लेखक के सम्बन्ध।
- अमूर्त विचारों के मूर्तन की कला, विज्ञापन संयोजन के विभिन्न सोपान ।

यूनिट–II

- **विपणन अनुसंधान**–विपणन अनुसंधान की परिभाषा, बाजार विश्लेषण, विक्रय विश्लेषण, उपभोक्ता।
- अनुसंधान, विज्ञापन अनुसंधान।

यूनिट–III

- **विपणन अनुसंधान का क्षेत्र**–बाजारों का अनुसंधान,उत्पादों और सेवाओं का अनुसंधान।
- विक्रय विधियों और नीतियों का अनुसंधान, विज्ञापन का अनुसंधान।

यूनिट–IV

- विपणन अनुसंधान के लाभ या महत्व, नई उत्पादों का उत्पादन, वस्तुओं के नये उपयोग, वस्तुओं में सुधार, मांग का ज्ञान, नये सम्भावित बाजारों की खोज।
- प्रतिस्पर्धा की स्थिति में स्थायित्व,
- विपणन अनुसंधान के मूल तत्व–उत्पाद विश्लेषण, बाजार विश्लेषण, प्रतिस्पर्धा विश्लेषण।

डॉ0 सुनील कुमार विश्वकर्मा
ललित कला विभाग

एम0एफ0ए0–चतुर्थ सेमेस्टर

(व्यवहारिक कला)

सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक प्रश्नपत्रों का अंक विवरण

	विषय–सैद्धान्तिक विषय–	अंक
1.	प्रथम प्रश्नपत्र–सौन्दर्य शास्त्र एवं कला के सिद्धान्त	100
2.	द्वितीय प्रश्नपत्र –विज्ञापन, बाजार एवं एजेन्सी	100
	प्रायोगिक विषय–	
1.	ड्राइंग / स्केच	100
2.	ग्राफिक कम्युनिकेशन / इलेस्ट्रेशन	100
3.	डिस्प्ले	75
4.	पोर्टफोलियो	25
		500

डॉ0 सुनील कुमार विश्वकर्मा
ललित कला विभाग

एम0एफ0ए0–चतुर्थ सेमेस्टर
व्यवहारिक कला
द्वितीय प्रश्न–पत्र–विज्ञापन, बाजार एवं एजेन्सी

यूनिट–I

- बाजार विभक्तीकरण, बाजार का अर्थ।
- बाजार विभक्तीकरण की परिभाषा, उद्वेश्य, आधार अथवा मापदण्ड।
- बाजार शब्द की परिभाषा।

यूनिट–II

- **विज्ञापन अभिकरण**–विज्ञापन अभिकरण के कार्य, विज्ञापन और दृश्य प्रचार, निदेशालय।
- एजेन्सी प्रतिपूर्ति, विज्ञापन एजेन्सी के अभिकर्ता, अनषांगिक एवं मुक्त सेवायें।

यूनिट–III

- मुद्रण कला का इतिहास, भारतीय, चीन, जापान, क्षेत्र, वर्गीकरण, स्थान, कार्य प्रणाली और सामग्री।
- टाइप और उसके प्रकार, टाइप के फान्ट, ग्राफिक संप्रेषण, मुद्रण यंत्र, लीथोग्राफी, आफसेट, कम्प्यूटर प्रिन्टर।

यूनिट–IV

- फोटो प्रत्रकारिता (प्रेस एवं मैगजीन इलेक्ट्रानिक मीडिया)।
- विज्ञापन में फोटोग्राफी का महत्व एवं प्रभाव (प्रिन्ट मीडिया एवं प्रभाव, इलेक्ट्रानिक मीडिया)।
- विज्ञापन में कम्प्यूटर का प्रभाव।

डॉ0 सुनील कुमार विश्वकर्मा
ललित कला विभाग

एम0एफ0ए0–प्रथम सेमेस्टर
(मूर्तिकला)
सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक प्रश्नपत्रों का अंक विवरण

	विषय–सैद्धान्तिक विषय–	अंक
1.	प्रथम प्रश्नपत्र–सौन्दर्य शास्त्र एवं कला के सिद्धान्त	100
2.	द्वितीय प्रश्नपत्र –मूर्तिकला का इतिहास (20 वीं सदी यूरोप)	100
	प्रायोगिक विषय–	
1.	कम्पोजिशन / म्यूरल / पोट्रेट	100
2.	ड्राइंग / स्केच	100
3.	डिस्प्ले	75
4.	पोर्टफोलियो	25
		500

एम0एफ0ए0–प्रथम सेमेस्टर
(मूर्तिकला)
द्वितीय प्रश्न पत्र–मूर्तिकला का इतिहास (20वीं सदी यूरोप)

समय–3 घण्टा
पूर्णांक–100

यूनिट–1.

- मूर्तिकला का इतिहास (20वीं सदी यूरोप)।

यूनिट–2.

- पाश्चात्य मूर्तिकला में आधुनिक विचार की उत्पत्ति।

यूनिट–3.

- प्रमुख प्रवृत्तियॉ–घनवादी मूर्तिकला और प्रमुख कलाकार, आर्चीपेंको, पिकासो, लिपचित, हेनरीलारेन्स, जाडकिन।

यूनिट–4.

- संरचनावाद और प्रमुख कलाकार, टाटलिन, रोडचेंको, नोमगेबों, पेवसनर, मोहोली नागी।

डॉ0 सुनील कुमार विश्वकर्मा
ललित कला विभाग

एम0एफ0ए0–द्वितीय सेमेस्टर

(मूर्तिकला)

सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक प्रश्नपत्रों का अंक विवरण

	विषय–सैद्धान्तिक विषय–	अंक
1.	प्रथम प्रश्नपत्र–सौन्दर्य शास्त्र एवं कला के सिद्धान्त	100
2.	द्वितीय प्रश्नपत्र – मूर्तिकला का इतिहास (20 वीं सदी यूरोप)	100
	प्रायोगिक विषय–	
1.	कम्पोजिशन / म्यूरल / पोट्रेट	100
2.	ड्राइंग / स्केच	100
3.	डिस्प्ले	75
4.	पोर्टफोलियो	25
		500

एम0एफ0ए0–द्वितीय सेमेस्टर

(मूर्तिकला)

द्वितीय प्रश्न पत्र–मूर्तिकला का इतिहास (20वीं सदी यूरोप)

समय–3 घण्टा
पूर्णांक–100

यूनिट–1.

- दादावादी प्रवृत्ति एवं कलाकार।

यूनिट–2.

- भारतीय मूर्तिकला पर पाश्चात्य मूर्तिकला का प्रभाव।

यूनिट–3.

- पाश्चात्य मूर्तिकला में यर्थाथवादी प्रवृत्तियॉ।

यूनिट–4.

- विभिन्न माध्यमों में कार्य करने वाले मूर्तिकार।

डॉ0 सुनील कुमार विश्वकर्मा
ललित कला विभाग

एम0एफ0ए0–तृतीय सेमेस्टर

(मूर्तिकला)

सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक प्रश्नपत्रों का अंक विवरण

	विषय–सैद्धान्तिक विषय–	अंक
1.	प्रथम प्रश्नपत्र–सौन्दर्य शास्त्र एवं कला के सिद्धान्त	100
2.	द्वितीय प्रश्नपत्र –आधुनिक एवं समकालीन भारतीय मूर्तिकला का इतिहास	100
	प्रायोगिक विषय–	
1.	कम्पोजिशन / म्यूरल / पोट्रेट	100
2.	ड्राइंग / स्केच	100
3.	डिस्प्ले	75
4.	पोर्टफोलियो	25
		500

एम0एफ0ए0–तृतीय सेमेस्टर

(मूर्तिकला)

द्वितीय प्रश्न पत्र–आधुनिक एवं समकालीन भारतीय मूर्तिकला का इतिहास

समय–3 घण्टा
पूर्णांक–100

यूनिट–1.

- भारतीय मूर्तिकला में आधुनिक विचार की उत्पत्ति।

यूनिट–2.

- प्रमुख प्रवृत्तियॉ और उनके मूर्तिशिल्प, रामकिंकर बैज, प्रदोष दास गुप्ता।

यूनिट–3.

- विभिन्न प्रवृत्तियों के मूर्तिकार, धनराज भगत, शंखों चौधरी,एस0धनपाल, पी0वी0जानकीराम, अमरनाथ सहगल।

यूनिट–4.

- मिश्रित माध्यम में कार्य करने वाले मूर्तिकार।

डॉ0 सुनील कुमार विश्वकर्मा
ललित कला विभाग

एम0एफ0ए0–चतुर्थ सेमेस्टर

(मूर्तिकला)

सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक प्रश्नपत्रों का अंक विवरण

	विषय–सैद्धान्तिक विषय–	अंक
1.	प्रथम प्रश्नपत्र–सौन्दर्य शास्त्र एवं कला के सिद्धान्त	100
2.	द्वितीय प्रश्नपत्र –**आधुनिक एवं समकालीन भारतीय मूर्तिकला का इतिहास**	100
	प्रायोगिक विषय–	
1.	कम्पोजिशन / म्यूरल / पोट्रेट	100
2.	ड्राइंग / स्केच	100
3.	डिस्प्ले	75
4.	पोर्टफोलियो	25
		500

एम0एफ0ए0–चतुर्थ सेमेस्टर

मूर्तिकला

द्वितीय प्रश्न–पत्र–आधुनिक एवं समकालीन भारतीय मूर्तिकला का इतिहास

यूनिट–1.

- स्मारकीय मूर्तिशिल्प और मूर्तिकार।

यूनिट–2.

- प्रस्तर मूर्तिकला और मूर्तिकार।

यूनिट–3.

- धातु मूर्तिकला और मूर्तिकार।

यूनिट–4.

- विभिन्न माध्यम में कार्य करने वाले मूर्तिकार।

डॉ0 सुनील कुमार विश्वकर्मा
ललित कला विभाग